



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 23]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 23, 1996/माघ 3, 1917

No. 23] NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 23, 1996/MAGHA 3, 1917

वित्त मन्त्रालय
(ग्राहिक कार्य विभाग)
(वीमा प्रभाग)
मण्डल
नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1996

जवाकि कुछ समय पूर्व भारत सरकार वांग मार्किट के बहिर्या विनियमन, संवर्द्धन और सुव्यवस्थित विकास के बारे में चिन्तित रही है; और

जवाकि सरकार इस बात से सन्तुष्ट है कि वीमा अधिनियम, 1938 की धारा 2(ब) के अन्तर्गत किये गये प्रावधान में वीमा नियंत्रक के संस्थान को ग्राहितस्वापित करने के लिए एक वीमा विनियामक प्राधिकरण को स्थापना करने के लिए एक विस्तृत विधान पारित करते; और जहां तक कि ये दस उद्दोग के विनियमन संवर्द्धन तथा सुव्यवस्थित विकास में सम्बन्धित हैं इस अधिनियम, जीवन वीमा नियम अधिनियम, 1956 और मंवारण वीमा कारोबार (गण्डीजनरेण) अधिनियम, 1972 की सम्बन्धित व्यापारों में तंत्रित करना आवश्यक है; और

जबकि सरकार इस बात से सन्तुष्ट है कि इस प्रकार के दायरक विधान का अधिनियम होने तक प्रस्तावित संवेदानिक प्राधिकरण, जिसके माध्यम संतरिम नियाय का अन्त में विस्तृण हो जाएगा अबत्रा प्राधिकरण का गठन होने पर यह उसमें पर्यावरण हो जाएगा के प्रारम्भिक नियाय के रूप में एक अन्तरिम नियाय का गठन करना एवं उसे संचालनात्मक बनाना आवश्यक है, और

अतः अब भारत सरकार एनडीआर वित्त मन्त्रालय के सम्मान प्रशासनिक नियंत्रणाधीन वीमा विनियामक प्राधिकरण का गठन करती है।

(i) वीमा विनियामक प्राधिकरण का अव्यक्त भी वीमा अधिनियम, 1938 की धारा 2(ब) के प्रयोगित हेतु वीमा नियंत्रक के लिए जीवन वीमा और वह उन सभी व्यापारों का प्रयोग करेगा जो वर्तमान में वीमा नियंत्रक के पास हैं।

(ii) अन्तीम नियाय यह जांच करेगा कि कौन सी व्यापारों, जो वीमा नियंत्रक से वापस लो गई अवयव सम्पद पर जारा को गई सरकारी अधिगुवनाओं के माध्यम से

संघीयत की गई, अधिकारी वीभा कारोबार के गोपनीयकरण अधिनियमों के अधीन भारतीय जीवन वीभा नियम और भारतीय माध्यारण वीभा नियम का प्रत्यायोजित की गई को वीभा नियन्त्रक को वापस दिये जाने की आवश्यकता है। हालांकि इस शिवित का प्रयोग करने हुए वीभा विनियाभक प्राधिकरण वीभा उद्योग के पृष्ठतः अधिकारी अग्रनियम की सम्भावना को ध्यान में रखेगा और इसकी अभिका तथा शक्तियों के संबंध में उत्पत्ति सिफारिश करेगा, जिनकी एवं परिदृश्य में वीभा विनियाभक प्राधिकरण द्वारा प्रयोग किये जाने वी आवश्यकता होगी।

(iii) यह प्रत्येक नियम वीभा अधिनियम, 1938 के अधीन केन्द्रीय सरकार को उन शक्तियों की भी जाच करेगा, जिन्हें जैसे ही वीभा, विनियाभक प्राधिकरण स्थापित हो जायेगा उन्हें उसी समय प्राधिकरण को अतिरिक्त किया जा सकता।

(iv) सरकार प्रत्येक वीभा विनियाभक प्राधिकरण को ऐसे अतिरिक्त असार्वदीपक कार्य सौंदर सकती है, जो प्रावधानक सम्बंध जाए, ताकि यह वीभा उद्योग के मुद्यवस्थित विकास को प्रभावी रूप से नियमित, संविधित और सुनिष्ट बनाए।

(v) वीभा विनियाभक प्राधिकरण की अध्यक्षता केन्द्रीय सरकार द्वारा नियन्त्रित किया जाने वाले अव्यक्त द्वारा की जाएगी।

(vi) वीभा विनियाभक प्राधिकरण के अन्य सदस्य जिनकी संज्ञा सात से अधिक न हो, जिनमें से पूरे सदस्य की भेंत में तीन से अधिक न हो, केन्द्र सरकार द्वारा भर्तीनीत किया जाएगा और वे उन शक्तियों से से होंगे जिन्हें जीवन वीभा, माध्यारण वीभा, विनियाभक प्राधिकरण को वीभा विनियाभक प्राधिकरण का अनुभव एवं जानकारी हो।

(vii) वीभा विनियाभक प्राधिकरण के प्रध्यक्ष और गदर्श्य जब तक सरकार चाहे तब तक अपने पद पर बने रहेंगे और समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित शर्तों के प्राधार पर ही नियन्त्रित किया जाएगे।

(viii) वीभा विनियाभक प्राधिकरण के अव्यक्त के पास वीभा विनियाभक प्राधिकरण के कार्यों को प्रभावी रूप से पूरा करने के लिए उपयुक्त अधिकार होंगे। इस प्रयोजन हेतु और प्रयोग संसाधन जुटाने के लिए वीभा विनियाभक प्राधिकरण को उत्पत्ति सहायक स्थाफ प्रदान किया जाएगा।

(ix) वीभा विनियाभक प्राधिकरण द्वारा किया जाने वाले व्यय को विनीय महायन प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा प्रयोग सदाचारन प्रदान करेगा।

(x) सरकार सभस्त निर्देशों और मार्गदर्शी मिलानों के होने हुए वीभा विनियाभक प्राधिकरण :—

(क) वीभा वीभा के संवर्द्धन पर युद्धवस्थित विकास एवं संवर्धन समा भवती पर विचार करेगा;

(ख) उत्तरोन्तर उद्देश्यों के लिए विस्तृत कानून का प्रनाल बनाया जाएगा;

(ग) (क) वीर (व) में निश्चित प्रयोजनों के लिए ऐसे अन्य संसार्विधिक कार्यों को पूरा करना जो केन्द्र सरकार द्वारा प्राधिकरण/प्रथम को प्रत्यागां-प्रित किया जा सके।

(xi) वीभा विनियाभक प्राधिकरण असी कार्य प्रणालों निर्धारित करने के लिए ग्रन्तव्य होगा योग सरकार तथा गैर-सरकारी निकायों में अपने कार्य प्रचालन के लिए संवर्धित रिहर्ड, विवरिया, टिर्मिया, जाइन, प्राकृत वाक्यों कोई भी अन्य सार्वभौमिक भाषा अनके माथ विचार-विभाग करने के लिए भी अधिकार होगे।

(xii) वीभा विनियाभक प्राधिकरण का मुख्यालय दिल्ली में होगा यार वह सरकार को दीना कमियों के विभिन्न विभागों पर यावतीक रिहर्ड और समय-समय पर सरकार द्वारा ऐसे अन्य विभागों पर भागी गई रिहर्ड प्रमुख करेगा।

प्रादेश

प्रादेश दिया जाना है कि इस मकान वी विनियाभियां सभी दबावितों को दी जाए।

उन भी आदेश दिया जाना है कि आभ भवनों के लिए नकल्प भारत सरकार के ग्राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

[फा. सं. 17(2) / 94-वीभा-1]
मी. एम. राव, मंत्रीकृत सचिव

MINISTRY OF FINANCIAL
(Department of Economic Affairs)
(INSURANCE DIVISION)

RESOLUTION

New Delhi, the 23rd January, 1996

Whereas for some time past the Government of India has been concerned about the healthy regulation, promotion and orderly growth of the insurance market; and

Whereas Government are satisfied that it is necessary to pass a comprehensive legislation to establish an Insurance Regulatory Authority (IRA) to replace the institution of Controller of Insurance provided under Section 2(B) of Insurance Act, 1938; and to amend the relevant Sections of this Act, Life Insurance Corporation Act, 1956, and the General Insurance Business (Nationalisation) Act, 1972, in so far as they relate to regulation, promotion and orderly growth of the industry, and

Whereas the Government are satisfied that pending the enactment of such a comprehensive legislation it is necessary to constitute and make operational an interim body as a precursor to the proposed statutory Authority, with which the interim body would be ultimately merged, or which it will be converted into when the latter is constituted;

Now, therefore the Government of India do hereby constitute the Insurance Regulatory Authority (IRA) under the overall administrative control of the Ministry of Finance.

(1) The Chairman of IRA will also be appointed as Controller of Insurance (COI) for purposes of Section 2(B) of the Insurance Act, 1938, and exercise all powers which vest with the COI at present.

(ii) The interim body will examine which of the powers withdrawn from the Controller of Insurance or modified through Government Notifications issued from time to time, or delegated to the IJC and the GIC under nationalising enactments of the insurance business, need to be restored to the Controller of Insurance. While undertaking this exercise, the IRA may bear in mind the possibility of privatisation of insurance industry, wholly or partially and make appropriate recommendations regarding the role and powers which will need to be exercised by the IRA in such a scenario.

(iii) The interim body will also examine the powers of the Central Government under the Insurance Act, 1938 which can be transferred to the Insurance Regulatory Authority as and when it is set up.

(iv) The Government can assign such additional non-statutory functions as may be considered necessary to the interim IRA to enable it to effectively regulate, promote and ensure the orderly growth of the insurance industry.

(v) The IRA shall be headed by a Chairman to be appointed by the Central Government.

(vi) The other Members of the IRA, not exceeding seven in number, of whom not more than three shall serve full time, shall be nominated by the Central Government and shall be from amongst persons having experience and knowledge in life insurance, general insurance, financial, economic legal and administrative matters.

(vii) The Chairman and the Members of IRA shall hold office during the pleasure of the Government and shall be governed by such terms and conditions as may be determined by the Government from time to time.

(viii) The Chairman of the IRA shall have appropriate powers to discharge the functions of the IRA effectively. For this purpose the IRA shall provide itself with suitable supporting staff and raise adequate resources.

(ix) The Government will provide adequate grants for financing the expenses incurred by the Insurance Regulatory Authority.

(x) Subject to the overall directions and guidelines of the Government the IRA shall—

- (a) deal with all matters relating to promotion and orderly growth of insurance market;
- (b) propose comprehensive legislation for the purpose indicated above; and
- (c) carry out such other non-statutory functions as may be delegated to the Authority/Chairman by the Central Government for the purposes indicated in (a) and (b) above.

(xi) The IRA shall be free to determine its own procedures and will have powers to call for records, returns, notes, memoranda, data or any other material relevant to its working from official and non-official bodies and also hold discussions with them.

(xii) The IRA will have its headquarter in Delhi and submit periodical reports to Government on various aspects of the Insurance companies and on such other specific matters as may be called for by the Government from time to time.

ORDPR

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

[F. No. 17(2)/94-Ins. V]
C. S. RAO, Lt. Secy.

